पवित्र शरीर की सविशेष प्रतिभा

अल्लाह तआ़ला ने अपने हबीब सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को चमतकार का केन्द्र तथा रोशन दलील घोषित किया है। अल्लाह तआ़ला ने अन्य पैग़म्बरों को मोअ़जज़ात (चमत्कार व करामत) दे कर भेजा तथा अपने हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को ना केवल करामत प्रदान किया बल्कि आप की पावन जात को करामत का केन्द्र बना कर भेजा। अल्लाह तआ़ला का आदेश हैः-

भाषांतरः- ऐ लोगो! निश्चय तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक रोशन दलील तथा हम ने तुम्हारी ओर एक स्पष्ट प्रकाश उतारा है।

(सुरह अन निसाः 04:174)

इस आयत के विस्तार में इमाम अबुल हसन अ़ली बिन मुहम्मद रहमतुल्लाहि अलैह तफसीर खाज़िन में लिखते हैः-

भाषांतरः- निश्चय तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से एक रोशन दलील आ चुकी *बुरहान* रोशन दलील से तात्पर्य सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की पावन जात है तथा रोशन निसानियां हैं जो आप अपनेरब के दरबार से लाय हैं।

(लुबाबुत तावील फी मआ़नी अल तंज़ील, सुरह अन निसाः 04:174)

अल्लाह तआ़ला ने अपने हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को सूरत व सीरत, सुन्दरता व हुस्न, महिमा व भव्यता प्रत्येक अनुसार से

अद्वितीय व अनुपम बनाया है तथा आप के पवित्र अस्तित्व को सत्य की दलील घोषित किया है।

इसी लिए शुमाइ़ल के प्रत्येक बाब से ये सच्चाई उजागर होती है के कायनात के कोने-कोने में सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का कोई तुलना में नहीं। सर से पांव तक का प्रत्येक धन्य भाग इस बात की स्पष्टीकरण दलील है के आप सम्पूर्ण नूर तथा सर्व निर्माण में सब से उच्च तथा उत्तम हैं। आप की पावन जात से मानवता को कमाल भाग्य हुआ है।

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पावन सुन्दरता तथा आप के पवित्र शरीर की सविशेष प्रतिभा से संबंधित इमाम खुसतुलानी रहमतुल्लाहि अलैह फरमाते हैः-

भाषांतरः- जान लो के इस बात का विश्वास रखना सर्वोच्च इमान से है के अल्लाह तआ़ला ने सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पवित्र अस्तित्व को इस रूप में पैदा किया के आप जैसा ना किसी को आप से पूर्व पैदा किया तथा ना आप के बाद आप जैसा कोई अस्तित्व बनाया।

(मवाहिब लदुन्निया, जिल्द 05, पः 239)

आपकी सुन्दरता

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के अद्वितीय व अनुपम सुन्दरता व जमाल, जलाल तथा पावन शरीर से संबंधित सहीह बुखारी में ह़दीस पाक हैः-

भाषांतरः- ह़ज़रत सैयदना अनस बिन मालिक रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमायाः ह़ज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि

वसल्लम सम्पूर्ण लोगों में सब से अधिक हसीन व सुन्दर, सब से अधिक वीर तथा सब से अधिक सखी है।

(सहीह बुखारी, किताबुल जिहाद, हदीस संख्याः 2820)

हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के सुन्दरता कमाल की ये स्थिति थी के सवेरे व शाम पावन सेवा में उपस्थित रहने वाले सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम आप को नज़र भर नहीं देख सकते थे जैसा के सहीह मुसलिम में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अम्र बिन आ़स रज़ियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैः कोई व्यक्ति मेरे निकट हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से अधिक प्रिय नहीं तथा ना कोई हस्ती मेरी नज़र में आप से अधिक बुज़र्ग व आदरणीय व सम्मानित है। मैं सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के आदर व सम्मान के कारण से आँख भर आप का दृश्य नहीं कर सकता तथा यदि मुझ से सर्व भाग (पावन सर से पवित्र पांवतक) से संबंधित पूछा जाए तो मैं वर्णन नहीं कर सकता इस लिए के मैं आँख भर आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) का दृश्य नहीं कर सकता।

(सहीह मुसलिम, किताबुल इ़मान, 336)

आप का धन्य शरीर वर्णन करने वाले सहाबा किराम फरमाया करतेः

भाषांतरः- हज़रत सैयदना खतादह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु सैयदना अनस बिन मालिक रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित करते हैं, आप ने फरमाया के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम सुन्दर मुख वाले हैं, मैं ने आप जैसा ना आप से पूर्व देखा और ना आप के बाद।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 5907 / अश शमाइल मुहम्मदिया, पः 01)

इसी प्रकार सहीह बुखारी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत अबु इस्हाख रहमतुल्लाहि अलैह से वर्णित है, वह फरमाते हैं के मैं ने सैयदना बर्रा बिन आज़िब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को फरमाते हुए सुनाः हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम लोगों में सब से अधिक सुन्दर तथा धन्य शरीर के अनुसार से सब से अधिक मनोहर व लावण्य हैं।

(सहीह बुखारी, किताबुल मनाखिब, हदीस संख्याः 3549)

आप सर से पांव तक पवित्र

हज़रत सैयदना अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु, सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पवित्र सर से पांव वर्णन करते हुए फरमाते हैः

भाषांतरः- हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ना अधिक लम्बे कद हैं तथा ना कम कद, आप लोगों में शान के साथ मध्यम कद हैं (किन्तु ये आप के पावन शरीर की करामत (मुअ़जज़ा) है के मध्यम कद होने के बावजूद जब आप किसी लम्बे कद के व्यक्ति के साथ चलते तो उस से अधिक लम्बे होते) आप के धन्य बाल ना छलेदार घुंगरयाले तथाना बिल्कुल सीधे बल्कि क़मदार हैं।

(आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) के मुबारक बाल कान की लौ तक रहते तथा कभी गरद तक पहुंचते थे तथा कभी इस से बड़ते तो अंत गरदन तक पहुंचते, इस से अधिक कभी आगेनहीं बढ़े) आप बहुत मोटे नहीं तथा ना गोल चहरे वाले, आप के चहरे अनवर में प्रतिष्ठा व प्रतिभा के साथ

क़ुदरे गुलाई है। सफेद रंग, सुर्क़ी मलाइ, धन्य आंखों की श्यामलता अत्यन्त सियाह तथा सफेदी अत्यन्त सफेद, धन्य पलकें लम्बी, धन्य हड्डियाँ प्रचुर गोश्त तथा प्रभावशाली, पवित्र शरीर बालों से साफ, धन्य नाफ तथा सीने के बीच मुबारक बालों की एक बारीक तकीर, पवित्र हथेलियां तथा धन्य क़दम पर गोश्त, जब आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) चलते तो क़दम मुबारक शक्ति से उठाते तो ऐसा लगता जैसा आप बुलंदी से पस्ती की ओर आ रहे हैं।

जब किसी ओर ध्यान करते तो पवित्र शरीर के साथ सम्पूर्ण ध्यान करते, आप के दोनों मुबारक शानों के बीच नबूवत की मुहर है तथा आप अंतिम पैग़म्बर हैं। आप सब से अधिक दानशीलता करने वाले, सब से बढ़ कर सत्य कहने वाले, अत्यन्त नरम तबियत वाले तथा सब से बड़ कर अच्छा व्यवहार करने वाले हैं।

जो व्यक्ति आप को अचानक देखता उस पर की हैबत तारी हो जाती तथा जो आप की उत्तमगुण व विशिष्ठता को जान कर आप से मुलाकात आनन्द प्राप्त करता आप का प्रशंसक हो जाता।

आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) की प्रशंसा वगुण वर्णन करने वाले कहते हैः

मैं ने आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) के मिस्ल ना आप से पूर्व कभी देखा तथा ना आप के बाद।

(अश शमाइल मुहम्मदिया लित तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 06)

धन्य शरीर की सविशेष प्रतिभा

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का पावन शरीर बेमिस्ल व अप्रतिम व अनुपम, सर्व शरीर पूर्ण नूर जिस की सुगन्ध उत्पन्न होती तो दिल व जान व ईमान सारी वायु सुगन्धित व सुवास रहा करती।

आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) का पावन शरीर व रूप-रंग सफेत मिश्रित नूरीनी है ऐसा मालूम होता जैसे चाँदी से ढ़ाल कर बनाया गया है।

(अश शमाइल मुहम्मदिया लित तिरमिज़ी, पः 02, सुबुलुल हुदा वर्रशाद, जिल्द 02, पः 10-11)

अल्लाह तआ़ला ने हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को ज़ाहिरी व बातिनी प्रत्येक प्रकार की खोट से पवित्र व शुद्ध रखा। पवित्र शरीर नूर के सांचे में ढ़ाला था। सुगन्धित शररीर तो भारी वस्त्र पर भी कभी मक्खी या मच्छर नहीं बैठा।

(अस सीर अल हलबिया, जिल्द 03, पः 372)

इमाम ज़ुरखानी रहमतुल्लाहि अलैह कहते हैः

आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) नूर हैं तथा मक्खियों का आना, जूओं का जन्म लेना गंदगी तथा बो के कारण से होता है तथा सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम प्रत्येक प्रकार के खोट से पवित्र व शुद्ध हैं तथा आप का पावन शरीर सुवास व सुगन्धित है।

मनोहर रूप

दलाइ़ल उन नबूवह लिल बैहखी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदह आयशा सिद्दीखा रज़ियल्लाहु तआला अन्हा से वर्णित है, आप फरमाती है के हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला

अलैहि वसल्लम लोगों में सब से बढ़ कर सुन्दर चेहरे वाले तथा रंगत में सब से बढ़ कर प्रफुल्ल व उज्जवल है।

(दलाइ़ल उन नबूवह लिल बैहखी, हदीस संख्याः 238)

सुनन दारमी में रिवायत हैः-

भाषांतरः- हज़रत अबदुल मलीक बिन उ़मैर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के सैयदना अबदुल्लाह बिन उमर रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने आदेश फरमायाः मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के जैसा बलवान व शूरवी तथा दानशील व परोपकारी तथा विशुद्ध व निर्मल व नूरानी किसी को नहीं देखा।

(सुनन दारमी, हदीस संख्याः 60)

हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पवित्र चेहरे की कांति व चमक के कारण से अंधेरा रोशन व दीप्तिमान से बदल जाता सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का धन्य चेहरा ऐसा सुन्दर व दिव्य तथा नूरानी के आप जहाँ आते वहाँ रोशनी हो जाती।

पावन चेहरे की चमक दीपक की रोशनी तथा सूर्य की चमक-दमक पर प्रभावित रहती तथा ऐसा मालूम होता के सूर्य आप के चेहरे अनवर से रोशनी प्राप्त करते हुए चल रहा है, जैसा के जामेअ़ तिरमिज़ी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप फरमाते हैं के मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से अधिक सुन्दर व हसीन कोई चीज़ नहीं देखी जैसा के सूर्य आप के चेहरे अनवर से रोशनी प्राप्त करते चल रहा है।

(जामेअ़ तिरमिज़ी, ह़दीस संख्याः 4009 / ज़ुजाजातुल मसाबीह, जिल्द 05, पः 25)

आप के कोमल बाल

ह़ज्जतुल वदाअ़ के अवसर पर सरकार पाक सल्लल्लाहु तअ़ाला अलैहि वसल्लम ने अपना मुबारक सर ह़लख करवाने के बाद ह़ज़रत अबु तल्ह़ रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को धन्य बाल बांटने का आदेश दिया।

(सह़ीह़ मुसलिम, किताबुल ह़ज्ज, ह़दीस संख्याः 3215)

उपर्युक्त वर्णन के अतिरिक्त वुज़ू के समय जो मुबारक बाल या रेश मुबारक निकलते तथा सह़ाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम इन्हें ह़ाथों में ले लेते तथा इस से बरकत प्राप्त करते।

जैसा के सह़ीह़ बुखारी में वर्णन है के उ़रवह़ बिन मसऊ़द सखफी ने जब सह़ाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम के प्रेम व मुह़ब्बत की भावना को देखा, मुसलमानों के वातावरण तथा दरबार नबवी में सह़ाबा किराम के शिष्टाचार का दर्शन किया तो मक्का वापिस हो कर खुरैश के सामने इस प्रकार अपना प्रतिपुष्टि प्रकट कियाः

भाषांतरः- अए मेरी क़ौम! अल्लाह़ का वचन मुह़म्मद (सल्लल्लाहु तअ़ाला अलैहि वसल्लम) जब नाक साफ करते हैं तो वो पानी उन में से किसी ना किसी के ह़ाथ में गिरता, वह अपने चेहरे तथा शरीर पर मलते ततआ बरकत प्राप्त करते हैं। यदि वह कोई आदेश करें तो वह लोग आदेश के समापन में आगे बड़ कर प्रथम करते हैं, जब वह वुज़ू करते हैं तो उन के साथी उन के वुज़ू का प्रयोग किया हुआ पानी प्राप्त करने के लिए इस प्रकार मचलते हैं जैसा के लड़ाई की नौबत आ जाएगी, जब वह वार्तालाप करते हैं तो सम्पूर्ण साथी अपनी आवाज़ कम कर लेते, उन के दिलों में आप का

ऐसा सम्मान व आदर, इज्जत व सतीत्व इतना हैं के कोई व्यक्ति उन की ओर आँख भर कर नहीं देखता। लोगो! अल्लाह तआ़ला का वचन! मैं ने राजाओं व बादशाहों का दरबार देखा, खैसर व कसरा की आन-बान देखी नजाशी राजा का गौरव व दबदबे देखा किन्तु अल्लाह का वचन! मैं किसी राजा के दरबारियों को इस का ऐसा सम्मान व आदर करते हुए नहीं देखा जैसी मुहम्मद सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के साथी उन का आदर व सम्मान करते हैं। आप ने समझौते का सुझाव रखा है उस को स्वीकार कर लो।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 2731)

आपकी पवित्र दृष्टि

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की दर्शन व दृष्टि कि क्षमता की शान व प्रतिभा ये है के आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) ने अल्लाह तआ़ला का दर्शन किया तथा अनवार व तेज के दृश्य के समय ना पलक छिकी तथा ना सम्मान की सीमा से आगे बढ़ी, अल्लाह तआ़ला का आदेश हैः-

भाषांतरः- निगाह ना तो टेढ़ी हुई और ना हद से आगे बढ़ी।

(सुरह अन नज्मः 53:17)

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम एक समय छह दृश्य, दायें, बायें, आगे पीछे, ऊपर नीचे देखते।

(अल मवाहिब लदुन्निया, जिल्द 05, पः 265)

आप की निगाह सत्य निगाह से अल्लाह तआ़ला ने धरती व आकाश की कोई चीज़ गुप्त नहीं रखी जैसा के सहीह बुखारी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत असमा बिन्त अबु बक्र रज़ियल्लाहु तआला अन्हा से वर्णित है, वह फरमाती है... सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने अपने धन्य खुत्बे में आदेश कियाः कायनात की जो चीज़ें हैं मैं ने उन सम्पूर्ण को अपने उस स्थान से देख लिया, यहाँ तक के मैं ने जन्नत व दौज़ख को भी देखा।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 922)

आपका धन्य श्रवण

अल्लाह तआ़ला ने सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को इस प्रतिभा की सुन्ने की शक्ति प्रदान की के आप के लिए दूर व निकट की आवाज़ एक समान है, आप धरती पर ठहर कर आकाश में उत्पन्न में होने वाली आवाज़ को सुना करते हैं।

जैसा के जामेअ़ तिरमिज़ी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- सैयदना अबु ज़र ग़िफारी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है, आप ने फरमाया के हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः मैं वह देखता हुँ जो तुम नहीं देखते तथा वह सुनता हुं जो तुम नहीं सुनते, आकाश चुर-चुराया तथा इस की चर-चुराहट अवश्य है, उस में चार उंगल स्थान भी ऐसी नहीं जहाँ कोई फरिश्ते सजदह रोज़ ना हों।

(जामेअ़ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2482)

अधिक इमम जलालउद्दीन सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह ने क़साइस कुबरा में बैहखी, साबूनी, क़तीब तथा इब्न असाकिर के हवाले से व्याख्या कियाः

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अब्बास बिन अबदुल मुतल्लिब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ने फरमाया के मैं ने हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की धन्य सेवा में निवेदन कियाः "या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! आप की नबूवत का एक लक्षण मेरे इशलाम में प्रवेशहोने का माध्यम बनी, मैं ने आप को गेहवारा में देखा के आप चाँद से बातें करते तथा जिस ओर इशारा करते वह इसी पक्ष झुक जाता, सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः मैं इस से बातें कता था थता वह मुझ से बातें करता था तथा वह मुझ को रोने से बहलाया करता था तथा जब वह अ़र्स के नीचे सजदा करता तो मैं इस के गिरने की आवाज़ सुना करता।"

(अल क़साइस अल कुबरा, जिल्द 01, पः 53)

आपका धन्य मुंह व धन्य जीभ

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का धन्य मुंह चौड़ा है तथा आप अत्यन्त खुश आवाज़ हैं एवं आप की मुबारक आवाज़ की ये करामत (मुअ़जज़ा) की शान है के जब आप खुत्बा आदेश करते तो घर के भीतर परदे में रहने वाली महिलाएं भी सुना करतीं।

जब आप कलाम करते तो धन्य दांत से नूर निकलता जैसा के सुनन दारमी, मुअ़जम औसत तबरानी, शमाइल तिरमिज़ी, मजमअ़ उ़ज़ ज़वाईद तथा कंज़ुल उम्माल में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबदुल्लाह बिन अब्बास रज़ियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैः हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के मुबारक दांत के बीच चोड़ापन था, जब आप वार्तालाप करते तो शुद्ध दांत के बीच से नूर दिखाई देता।

(सुनन दारमी, हदीस संख्याः 59 / अश शमाइल अल मुहम्मदिय तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 14 / मजमअ उज़ ज़वाईद, हदीस संख्याः 14031 / कंज़ुल उम्माल, हदीस संख्याः 17819)

सरकार पाक सल्लल्लाहु तअ़ाला अलैहि वसल्लम की मुबारक ज़बान से जो शब्द संपादन होते हैं वह भावपूर्ण व सुवक्ता होते इस से संबंधित अल्लाह तअ़ाला अपने पवित्र कलाम में आदेश फरमाता हैः-

भाषांतरः- आप अपनी इच्छा से कलाम नहीं फरमाते वह तो अल्लाह तअ़ाला की वही (प्रकाशना) होती है जो आप की ओर की जाती है।

(सुरह अन नज्मः 53:03-04)

सरकार पाक सल्लल्लाहु तअ़ाला अलैहि वसल्लम शब्दचुत वार्तालाप करते, आप की वार्तालाप अत्यन्त मनोहर व मनभावना हुआ करती, दिल की गहराईयों तक पहुंचती, आप का कलाम वाक्पुटता (उत्तम बोली) के कोई उस उच्च बोली का तुलना के स्तर पर नहीं पहुंच सकता तथा किसी और के कलाम की बोली सम्भव नहीं।

आपका धन्य लार

हबीब पाक सल्लल्लाहु तअ़ाला अलैहि वसल्लम के धन्य लार की ये प्रतिभा है के यदि आप अपना मुबारक लार खारे पानी के कुंए में ड़ालते तो पानी मधुर हो जाता, घाव पर मुबारक थूक लाते तो घव इस पर उपचारित हो जाता, तकलीफ के स्थान लगाया जाता तो तुरंत तकलीफ समाप्त हो जाती तथा ऐसा समझ होता के कभी तकलीफ थी ही नहीं, जो आप के धन्य लार से बरकत प्राप्त करते रहमतें तथा आशीर्वाद हमेशा के लिए उन का सानिध्य जातें।

क़ैबर के युद्ध के अवसर पर हज़रत अ़ली मुरतज़ा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को आंखों से पानी बहता था, जिस के कारण से आप की आंखों में कठिन तकलीफ थी। सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आप को बुलाया तथा आप की दोनों आंखों मं पवित्र लार व थूक ड़ाला तो आप ऐसै ऊपचारित हुए जैसे आप को कभी तकलीफ व दुख था ही नहीं।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 4210)

पवित्र हाथ

सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पावन हाथों की प्रतिभा व उत्तमता ये है के जब आप ने अपने पवित्र हाथ पर सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम से बैअ़त ली तो अल्लाह तआ़ला ने ये आयत प्रकाशना की, जिस में आप के पावन हाथों को अपना हाथ घोषित किया, अल्लाह तआ़ला का आदेश हैः-

भाषांतरः- (अए हबीब अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) निश्चय जो लोग आप के पावन हाथ पर बैअ़त करते हैं उस के सिवा नहीं के वह अल्लाह तआ़ला के पावन हाथ पर बैअ़त कर रहे हैं, अल्लाह तआ़ला का हाथ उन के हाथों पर है।

(सुरह अल फत्हः 48:11)

सहीह बुखारी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत हिक्म से वर्णित है, उन्हों ने कहा के मैं ने हज़रत अबु जुहाफा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु को फरमाते हुए सुनाः सहाबा किराम रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम आप के पावन हाथों को चूमने की कृपा प्राप्त करते तथा उन को अपने चेहरों पर मल कर आशीर्वाद व बरकत प्राप्त करते,

तो मैं ने भी आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) के पावन हाथ थाम कर अपने चेहरे पर रखा तो क्या देखता हुं के वह बर्फ से अधिक ठण्डा तथा मश्क से अधिक सुगन्धित है।

(सहीह बुखारी, ह़दीस संख्याः 3553)

पावन हाथ के मोअ़जज़े (करामत व चमतकार) की प्रतिभा व शान ये है के आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) जहाँ मुबारक हाथ फेरते वह स्थान ह़मेशा के लिए बरकतों का केन्द्र हो जाता।

दस्त करम व धन्य हाथ की बरकत से बीमारियां दूर होतीं, तकलीफें व दर्द दूर होते तथा बकरी के सूखे स्तन में दूध आ जाता, मुबारक अंगूठे से पानी के नहरें जारी होते तथा हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के मुबारक अंगूठे के इशारे से चाँद दो टुकड़े हो जाता, डूबा हुआ सूर्य पलट आता।

आपके धन्य क़दम

जब सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम चलते तो धरती आप के लिए समेट दी जाती।

(जामेअ़ तिरमिज़ी, जिल्द 02, पः 206)

नबी करीम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पाक क़दम की ये उत्कृष्ठता व विशिष्ठता है के जहाँ पावन क़दम रखते वह स्थान ह़मेशा के लिए बरकतों का केन्द्र व कृपा का सारांश हो जाता है।

आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) की धन्य पदार्पण व आगमन से पूर्व मदीने को यसरब यथा बीमारियों तथा रोग का स्थान कहा जाता था

किन्तु जब आप सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने वहाँ अपना पावन क़दम रखा तो वह स्थान धन्य मदीना हो गया।

पाक क़दम की बरकत से बीमारियों वाली धरती भी उपचार वाली धरती हो गई। नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के मुबारक क़दमों की बरकत केवल इस विश्व की सीमा तक विशेष नहीं बल्कि आखिरत व क़यामत के दिन भी आप की रहमतों व बरकतों का सिलसिला जारी व सारी रहेगा जैसा के इमाम मुहम्मद बिन यूसुफ सालेही रहमतुल्लाहि अलैह कहते हैः

सीरिया देश में क़यामत का मैदान बरपा होगा तथा मेअ़राज में हुज़ूर अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को बैअ़तुल मखदस ले जाने में अल्लाह तआ़ला कि निष्ठ ये थी के जब इस धरती के भाग पर आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) के मुबारक क़दम पढ़ जाएंगे तो कल क़ियामत के दिन आप की उम्मत व संप्रदाय के लिए सुविधाएं तथा आसानियां उपलब्ध आ जाएंगी तथा आप का पावन क़दमों की बरकत के माध्यम वहाँ पर ठहरना आसान व सरलता हो जाएगा।

(सुबुलुल हुदा वर्रशाद, जिल्द 03, पः 18)

पावन सर से पांव तथा सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की मुबारक सुन्दरता की सम्पूर्ण स्थिति वर्णन रकने से शब्द व उक्ति कम पढ़ते हैं। भाषा अपनी निर्धनता पर शिकायत करते हैं।

आशीर्वाद के प्राप्त करने के लिए हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के पावन सर से पवित्र पांव तक तथा सुन्दरता व सौन्दर्य को रिवायतों के अनुसार परिसीमित किया गया।

वास्तव में सुन्दरता व सौन्दर्य को सम्पूर्ण रूप से स्पष्ट व प्रकट ही नहीं किया जा सकता क्यों के यदि आप का हुस्न व सुन्दरता हमरे लिए पूर्ण रूप से स्पष्ट हो जाए तो हम इस सुन्दरता अद्वितीय व अप्रितम तथा हुस्न उच्चता की नूरानियत की छोटी सी बात ना ला सकते तथा इस के नूर को सहन नहीं कर सकते।

इमाम खुसतुलानी रहमतुल्लाहि अलैह, इमाम खुरतुबी के हवाले से लिखते हैः-

भाषांतरः- हमारे लिए सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का सम्पूर्ण हुस्न व सुन्दरता स्पष्ट व प्रकट नहीं हुआ इस लिए के यदि आप का सम्पूर्ण हुस्न प्रकट हो जाता तो हमारी निगाहें व नेत्र आप के दीदार को सहन नहीं कर सकती।

(मवाहिब लदुन्निया, जिल्द 05, पः 241)

हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की धन्य सुन्दरता व सौन्दर्य के वर्णन से ये सच्चाई उजागर होती है के आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) क़ैरुल-बशर हैं।

पावन चहरे का बेमिसाल नूर, धन्य सुन्ना तथा पवित्र निगाह की असामान्य पहुँच, मुबारक लार के करामत की उत्तमता, पवित्र थूक की बरकत, पावन हाथ की दृष्टि व शक्ति तथा सम्पूर्ण सर से पांव की उत्तमता व उच्चता व चमतकार (मोअ़जज़ात) इस बात की स्पष्ट दलील हैं के संसार के अस्तित्व में आप (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) जैसा कोई अस्तित्व नहीं तथा कायनात में आप जैसा कोई दूसरा नहीं।

जिस प्रकार फर्श वाले आप के अद्वितीय व बेमिसाल होने का चर्चा कर रहे हैं इसी प्रकार आप की रूहानी व आध्यात्मिक संसार की सल्तनत के

राज्यपदाधिकारी हज़रत जिब्रील अमीन अलैहिस सलाम भी आप की कृपा व उत्तमता में एकता होने की घोषणा कर रहे हैं।

बैहखी तबरानी तथा इब्न असाकिर की रिवायत हैः-

मैं ने धरती के पूरब व पश्चिम को छान ड़ाला किन्तु पैकर-हम्द व सना हज़रत सैयदना मुहम्मद सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम जैसा उत्तमगुण व विशिष्ठता वाला किसी को ना पाया.

(अल क़साइस अल कुबरा, जिल्द 01, पः 317)

अल्लाह तआ़ला हमें संसार व आखिरत में सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के जमाल जहाँ के दीदार से संबोधित व आभूषण करे।

आमीन